राज्यपाल सचिवालय,
राजभवन, जयपुर

कोविड– 19 से उच्च शिक्षा पर आये प्रभाव से राज्यपाल चिंतित

उच्च गुणक्ता वाली शिक्षा आधुनिक एवं ऑनलाइन तरीके से देना अब होगी हमारी प्राथमिकता

विद्यार्थियों का नुकसान नही होने देंगे –*राज्यपाल*

जयपुर, 30 अप्रेल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए नवीन तकनीक का उपयोग करना आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 के इस दौर मे उच्च शिक्षा पर आये प्रभाव से निपटने के लिए विश्वविद्यालयों को उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग एकजुटता से करना होगा। श्री मिश्र का मानना था कि शैक्षणिक उत्थान के लिए कोविड 19 से आये परिवर्तनों का अध्ययन और योजनाबद्व तरीके से चुनौतियों का मुकाबला करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि राज्य में कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितियों में फिर से श़ैक्षणिक माहौल बनाने के लिए नये सिरे से रणनीति बनानी होगी। आपदा का डट कर सामना करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में उच्च गुणवता वाली शिक्षा नये तरीके से देना अब हमारी प्राथमिकता है। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितियों से उच्च शिक्षा पर आये प्रभावों से विद्यार्थियों को किसी प्रकार का नुकसान नही होने देगे।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मिश्र गुरूवार को यहां राजभवन से वीडियो कान्फ्रेस के द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से उच्च शिक्षा पर चर्चा कर रहे थे। राज्यपाल ने उनके द्वारा गठित टास्क फोर्स की अनुशंषाओं पर कुलपतियों से चर्चा की। कुलपतियों ने कहा कि इन अनुशंषाओं को सम्बन्धित कमेटियों में चर्चा करा कर विश्वविद्यालयों में अनुपालन कराया जायेगा ताकि विद्यार्थियों को नुकसान से बचाया जा सके। राज्यपाल ने इसके साथ ही पाठयक्रम के अद्यतन, स्टेट यूनिवर्सिटी मैनेजमेन्ट सिस्टम, लर्निग मैनेजमेन्ट सिस्टम और स्मार्ट विलेज में लोगों को दिये जाने वाले मास्क,सेनेटाइजर और राशन सामग्री के बारे में जानकारी ली।

राज्यपाल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के लॉक डाउन का असर उच्च शिक्षा पर पडा है। उन्होंने कहा कि हमें विद्यार्थियों की जरूरतों को सुनना होगा, समझना होगा और उन्हे पूरा करने का भरसक प्रयास भी करना होगा। कुलाधिपति श्री मिश्र ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार कोविड–19 से 1.5 बिलियन युवा प्रभावित हुए है। इस राष्ट्रव्यापी बन्द ने दुनिया की 91 प्रतिशत छात्र आबादी पर असर डाला है।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों का अकादमिक वर्ष खराब नही होने दिया जायेगा इसके लिए विश्वविद्यालयों को अकादमिक काउसिलिंग के द्वारा आगामी सत्र में आवश्यक सुधार और कम समय में पाठ्यक्रमों को पूरा करना होगा। श्री मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर भी ऐसे बदलाव करें कि उसका फायदा सामान्य छात्र को आसानी से हो सके। राज्यपाल ने कहा कि हमारे राज्य के 28 लाख छात्र–छात्राओं को कोविड–19 से आये व्यवधान के कारण किसी प्रकार की शैक्षणिक हानि नही होने देगें। उन्होने कहा कि टास्क फोर्स द्वारा दी गई अनुशंषाएं कुलपतियों के लिए नीति निर्धारण में सहायक सिद्व होगी। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को कोई ऐसा आई टी प्लेट फार्म चाहिए जो आज की जरूरतें पूरा कर आवश्यकतायों के अनुरूप कार्य कर सके।

वीडियो कान्फ्रेस में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। कुलपतियों ने अपने –अपने विश्वविद्यालयों में कोविड–19 के लॉक डाउन से प्रभावित हुई शैक्षणिक गतिविधियों के सुगम संचालन की रणनीति को बताया। राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार नें वीडियो कान्फेन्स में भाग ले रहे कुलपतियों का स्वागत कर टास्क फॉर्स की अनुशंषाओं को विस्तार से बताया। राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्द राम जायसवाल, भी इस मौके पर मौजूद थे।

टास्क फोर्स द्वारा दी गई प्रमुख अनुशंषाऐं – टीचिंग मोड्यूल एवं टीचिंग विडियोज – छात्रो को ई–कन्टेन्ट एवं विडियो लेक्चर को व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेषित करना, एवं अन्य उपलब्ध साधनों का भी उपयोग करना। विश्वविद्यालयों द्वारा सब्जेक्ट वाइज बेस्ट फेकल्टी को चिन्हित कर उनके लेक्चर वेबसाइट पर अपलोड किये जायें ताकि दूसरे विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी उसका लाभ ले सकें।

अगले सत्र में अकादमिक कलेण्डर एवं चुनाव के संबंध में – सभी विश्वविद्यालय केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगाई गई लॉकडाउन की अवधि तक बंद रहेगे। विश्वविद्यालय लॉकडाउन की अवधि के पष्चात् किसी भी प्रकार की छुट्टियां अपने शैक्षणिक कलेण्डर में प्रस्तावित नही करते हुए राज्यपाल सचिवालय से इसका अनुमोदन प्राप्त करेगें। अगले सत्र में विश्वविद्यालय एवं उनके सघंटक महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव नहीं करवाये जावें।

बजट पुनः नियोजन – सभी विश्वविद्यालय द्वारा माह मई के प्रथम सप्ताह में वित्त समिति की बैठक बुलाकर राज्य वित्त विभाग, यूजीसी, आइसीएआर, डीएसटी आदि से पिछले वित्तीय वर्ष के बचे हुए प्रावधानों को सितम्बर, 2020 तक व्यय करने की अनुमति प्राप्त करने के प्रयास करेगें। वर्तमान विश्वविद्यालय पोर्टल–वेबसाइट पर हिन्दी में भी दर्शया जाये ताकि हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को कठिनाई नहीं हो।

विश्वविद्यालय वेबसाईट – विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट को इन्टरएक्टिव बनाये ताकि विद्यार्थियों की परीक्षा, परिणाम, प्रवेष आदि संबंधित जिज्ञासाओं का तुरंत उत्तर दिया जा सके। वर्तमान विश्वविद्यालय पोर्टल–वेबसाइट पर हिन्दी में भी दर्षाया जाये ताकि हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को कठिनाई नहीं हो।

ग्रामीण क्षेत्रों में परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु – बल्क एस. एम. एस., व्हाट्सएप व ई–मेल के माध्यम से छात्रों को सूचित किया जाना चाहिये। तकनीकी विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा इस विषम परिस्थिति में डपबतवेवजि Teams जैसे एप का उपयोग किया जायें। टास्क फोर्स की अनुषंषा के अनुरूप प्रो. ए. के. गहलोत द्वारा आई.टी.आई. लि. से उनके लर्निंग मेनेजमेंट सिस्टम मॉड्यूल का सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उनके इच्छुक फेकल्टी को Microsoft Teams एप के माध्यम से आमुखीकरण कर दिया गया है। सभी के द्वारा इसकी वर्तमान परिदृष्य में उपयोगिता जानी एवं सराही गई है।

ऑन स्क्रीन इवेल्यूषन सिस्टम – ऑन स्क्रीन इवेल्यूषन सिस्टम द्वारा कॉपी जांचने की प्रक्रिया अगले सत्र की परीक्षाओं हेतु अपनाई जा सकती है। सामान्य विष्वविद्यालयों द्वारा प्रारंभ में पीजी क्लासेज हेतु इसे अपनाया जाए, जबकि तकनीकी विश्वविद्यालयों द्वारा इसे सभी कक्षाओं के लिए अपनाया जाना प्रस्तावित है।

पाठयक्रम सबंधी सुझाव – टास्क फॉर्स द्वारा सुझाव दिया गया कि कुलपतिगण पाठयक्रम, परीक्षा पेटर्न आदि के संबंध में यदि कोई विधिक अनुमति लेनी है तो संबंधित नियामक संस्था या विष्वविद्यालय बॉडी से एप्रूवल पूर्व में ही प्राप्त कर लें ताकि कोई विधिक एवं सम्बद्वता सबंधी समस्या बाद में नहीं खड़ी हो। टास्क फॉर्स द्वारा सुझाव दिया गया कि कुलपतिगण अगले सत्र से समान रूप में यूजीसी का पाठयक्रम अपनाएं ताकि विद्यार्थियों के द्वारा विष्वविद्यालय परिवर्तन में कठिनाई नहीं हो। ऐसा करने से चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम भी आसानी से लागू हो सकेगा।

स्टेट युनिवर्सिटी मेनेजमेंट सिस्टम – टास्क फॉर्स का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में स्टेट युनिवर्सिटी मेनेजमेंट सिस्टम (SUMS) को लागू करने से विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली में लॉकडाउन एवं पोस्ट लॉकडाउन पीरियड में अत्याधिक सुधार होगा जिसका सीधा लाभ राज्य के युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को होगा। यह सिस्टम टास्क फॉर्स के अधिकतर एजेंडा की पूर्ति भी करेगा। राज्यपाल ने बताया कि उक्त समस्त निदेंश लॉक डाउन की शर्तो के अधीन रहेगे।

—

ऋषि कपूर के निधन पर राज्यपाल की संवेदना

जयपुर, 30 अप्रेल। राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने हिंदी सिनेमा के प्रख्यात अभिनेता, निदेशक और निर्माता श्री ऋषि कपूर के असामयिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा है कि स्व. कपूर बहुमुखी अभिनय प्रतिभा के धनी थे। उनके अभिनय से भारतीय दर्शक वर्षों तक आकर्षित रहे।

राज्यपाल श्री मिश्र ने स्वर्गीय कपूर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। श्री मिश्र ने कहा है कि '' स्वर्गीय कपूर एक बेहतरीन कलाकार थे। सिनेमा जगत में उन्हें सदैव याद रखा जायेगा। ऋषि कपूर का निधन भारतीय सिने जगत की अपूरणीय क्षति हैं।''

राज्यपाल श्री मिश्र ने दिवगंत आत्मा की शांति और प्रदेश व देश के सिने जगत के कलाकारों और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

—

राज्यपाल की श्रम दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर, 30 अप्रेल । राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने श्रम दिवस (एक मई) पर श्रमिक भाइयों और बहिनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा है कि श्रमिक देश के नवनिर्माण एवं विकास की आधारशिला रखते हैं। राज्यपाल ने श्रमिकों का आह्वान किया कि वे अपने अथक मेहनत और लगन से देश और प्रदेश के चहुंमुखी विकास में अपनी रचनात्मक भागीदारी निभायें। राज्यपाल ने इस मौके पर सभी श्रमिकों की खुशहाली की कामना की है। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी के दौर में हमें धीरज रखना है। सामाजिक दूरी बनाकर रखनी है और मास्क पहन कर रहना है। उन्होंने कहा कि यह संकट का समय है। केन्द्र और राज्य सरकार इस कठिन घडी में श्रमिकों के साथ है।

—

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), राज्यपाल